

भारत की अग्रणी एकीकृत मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाता, ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (टीसीआई)ने वित्त वर्ष २०२३ के लिए २५० करोड़ रुपये की पूंजी का व्यय करने की योजना बनाई है

कोलकाता, : भारत की अग्रणी एकीकृत आपूर्ति श्रृंखला और लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाता ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने घोषणा करते हुए बताया कि इसकी अगले वित्त वर्ष २०२३ में लगभग २५० करोड़ रुपये की पूंजी का व्यय करने की योजना है। कुल पूंजी में से १००-१२५ करोड़ रुपये कंपनी जहाजों और कंटेनरों

पर खर्च करेगी। टीसीआई शीर्षस्थ में १२-१५ फीसदी और आधाररेखा में २० फीसदी वृद्धि की उम्मीद कर रही है।

पूंजी योजनाओं पर टिप्पणी करते हुए, टीसीआई के प्रबंध निदेशक श्री विनीत अग्रवाल ने कहा, हमारी अगले वित्त वर्ष में लगभग २५० करोड़ रुपये की पूंजी का व्यय

करने की योजना है। इसमें से लगभग १००-१२५ करोड़ रुपये जहाजों और कंटेनरों पर खर्च किए जाएंगे और निश्चित रूप से कुछ राशि - ३०-५० करोड़ रुपये-ट्रकों पर खर्च किए जा सकते हैं। हम गोदामों के निर्माण पर भी कुछ राशि खर्च करेंगे, जो कि लगभग ७५ करोड़ रुपये होगा। जब आप देखते हैं कि बुनियादी ढाँचा का विकास हो रहा है, जो कि मल्टीमॉडल हैं, तो हमारे रेल व्यवसाय या समुद्री मार्ग के व्यवसाय को उसमें गति मिलनी चाहिए। हम ग्राहकों की माँग में बदलाव देख रहे हैं। सामान्य माल संचार वैसे भी हो रही है और हमारा परिवहन संचार कारोबार भी वहाँ अपेक्षाकृत अच्छा कर रहा है। इसलिए, हम बाजार में

आने वाली वृद्धि पर कब्जा करने के लिए काफी अच्छी स्थिति में हैं। श्री अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री की गति शक्ति पहल एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है क्योंकि इसका एक उद्देश्य लॉजिस्टिक्स लागत को कम करना है, जो कि मल्टीमॉडल परिवहन में बदलाव होने पर ही होगा। उन्होंने कहा, "आने वाले वर्ष में, हम लगभग १२-१५ प्रतिशत की वृद्धि देख रहे हैं और २० प्रतिशत (विकास) आधार रेखा में वृद्धि देख रहे हैं। इसलिए, लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने के लिए मल्टीमॉडल में शिफ्ट होना चाहिए। भारत के मल्टीमॉडल इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण के लिए हो रहे सभी प्रयासों और गतिविधियों को एक साथ करने के लिए यह कार्यक्रम हमारे लिए

बहुत महत्वपूर्ण होगा। मल्टीमॉडल का मतलब है, कि आप परिवहन के विभिन्न साधनों के बीच निर्बाध रूप से चलने में सक्षम हैं। यह लॉजिस्टिक्स प्रदाता के साथ-साथ ग्राहक के लिए भी निर्बाध होना चाहिए।" यह अनुमान है कि अगले ५-१० वर्षों में विद्युतीकरण, जो वर्तमान में मील या शहर के स्तर पर है, में वृद्धि होगी। ईंधन के वैकल्पिक स्रोतों जैसे सीएनजी, एलएनजी और अंततः हाइड्रोजन के उपयोग में भी वृद्धि होगी। भारत को आपूर्ति श्रृंखला खंड में एक प्रमुख खिलाड़ी बनाने की दिशा में टीसीआई की नई पहल के साथ, कंपनी व्यापार और ग्राहकों के लिए लॉजिस्टिक्स में विविधता लाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।